3/10/23 पत्रावली पेश हुई/R.O. साहब/ ... कार्य स्थगित ... पूर्वानुसार ... दिनांक 28/12/23 को पेश हो।

28/12/23 पत्रावली पेश हुई/P.O. साहब/ ... अवकाश ... दिनांक 22/2/24 को पेश हो।

22/2/24 ... दिनांक 15/4/24 को पेश हो।

15/4/24 पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित। अप्रार्थीगण को सम्मन जरिए डाक से भेजे एक माह से अधिक का समय हो चुका है। सम्मन अदम तामील लौटकर प्राप्त नहीं हुए हैं। अतः तामील सम्यक मानी जाती है।

सम्यक तामील के उपरान्त भी अप्रार्थीगण हाजिर नहीं हुए हैं। अतः अप्रार्थीगण के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जाती है।

प्रार्थना-पत्र पर बहस सुनी गई। बहस सुनने के उपरान्त हम पाते हैं कि विवादित ~~भूमि पर~~ प्रार्थी एवं अप्रार्थी सहखातेदार हैं।

अतः वाद की बहुलता को रोकने एवं वाद की विषय-वस्तु को बनाए रखने हेतु प्रा. पत्र के चरण सं. (2) में उल्लेखित भूमि पर उभयपक्षों को ताफैसलावाद मौके की यथास्थिति बनाए रखने हेतु पाबंद किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो।

उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड, ... (...ुर)